आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–08 सितम्बर 2024 सान्ध्य समाचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में तीन मंजिला इमारत गिरने की दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। साथ ही घायलों को पचास पचास हजार रुपये दिये जायेंगे। प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये घटना पर दुख व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

लखनऊ के ट्रांसपोर्टनगर में कल शाम हरमिलाप नामक तीन मंजिला इमारत ढह गई। इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गये। आज दिन में भी वहां राहत और बचाव कार्य जारी रहा। पुलिस ने बताया कि इमारत को करीब चार साल पहले बनाया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोकबंधु श्री राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय का दौरा कर दुर्घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात की। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में प्रदेश सरकार पीड़ितों और उनके परिजनों के साथ पूरी तत्तपरता एवं संवेदनशीलता के साथ खड़ी है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अंबेडकरनगर जिले में एक हजार दो सौ इकतीस करोड़ रुपये की छह हजार सात सौ अठहत्तर परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही युवक एवं मंगल दल के सदस्यों को स्पोर्ट्स किट का वितरण किया। जिले के कटेहरी विधान सभा में हुए इस कार्यक्रम के दौरान जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार साठ हजार दो सौ से अधिक की पुलिस भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद चालीस हजार पुलिस भर्ती और करेगी । इसमें दस हजार महिलाओं की भर्ती की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने महाराजा सुहेलदेव के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला और लोगों से विकास का अनुगामी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह महाराजा सुहेलदेव के किले के पुनरुद्धार के लिए एएसआई से बातचीत करेंगे। उन्होंने प्रदेश में मजबूत कानून व्यवस्था की चर्चा करते हुए विपक्षी दलों पर अपराध एवं तुष्टीकरण को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया।

इससे पहले गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री ने सुबह जनता दरबार में करीब चार सौ लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों के निर्देश दिया कि जनता की हर समस्या को संवेदनशीलता से लिया जाए और उसके समाधान के लिए त्वरित प्रभावी कार्यवाही की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली तो संबंधित जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है।

****

आज अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस है। इसका आयोजन प्रत्येक व्यक्ति, समुदाय और समाज के लिए साक्षरता के महत्व की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जाता है। इस वर्ष का विषय है–बहुभाषी शिक्षा संवर्धन आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये इस दिवस की बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि साक्षरता, सभ्य, सशक्त एवं समृद्ध समाज की आधारशिला है।

****

भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन, आशा छात्रवृति कार्यक्रम के तहत दस हजार मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देगा। यह राशि छठी कक्षा से स्नातकोत्तर तक के वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को दी जाएगी। इस कार्यक्रम में पंद्रह हजार से दो लाख रूपये तक की आर्थिक सहायता शामिल है। यह छात्रवृति अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को आईआईटी, आईआईएम और विदेश में पढाई के लिए दी जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी इस वर्ष पहली अक्टूबर तक फाउंडेशन के वेबसाइट एसबीआईएफ आशा स्कॉलरशिप डॉट ओआरजी पर आवेदन कर सकते हैं।

****

पूरे प्रदेश में सक्रिय टीबी रोगी खोजी एसीएफ अभियान कल से शुरू होगा । यह बीस सितम्बर तक चलेगा। इस दौरान तीन सदस्यों वाली स्वास्थ्य टीम घर घर भ्रमण कर टीबी के लक्षणयुक्त मरीजों को ढूंढेंगी। इन मरीजों को टीम द्वारा टीबी की जांच के लिए प्रेरित किया जाएगा। जांच के बाद टीबी के जो पुष्ट रोगी मिलेंगे उन्हें इलाज व अन्य सरकारी सुविधाएं दी जाएंगी। गोरखपुर के जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ गणेश यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष दो हजार पच्चीस तक टीबी उन्मूलन की प्रतिबद्धता जताई है । इसे पूरा करने के लिए नये टीबी रोगियों के शीघ्र जांच और उपचार पर भी जोर है। इस अभियान में धर्मगुरु समाज की भी मदद ली जाएगी।

****

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दो हजार पच्चीस के लिए नामांकन इस महीने की पंद्रह तारीख तक किए जा सकेंगे। महिला और बाल विकास मंत्रालय प्रत्येक वर्ष जनवरी में इस पुरस्कार समारोह का आयोजन करता है। विजेताओं की घोषणा इस वर्ष छब्बीस दिसंबर को वीर बाल दिवस पर की जाएगी। इस पुरस्कार का उद्देश्य बच्चों की ऊर्जस्विता, संकल्प, क्षमता और उत्साह को सम्मानित करना है। पुरस्कार के लिए पांच वर्ष से अठारह वर्ष तक की आयु के बच्चे पात्र हैं। नामांकन राष्ट्रीय पुरस्कार की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से किया जा सकता है।

****

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दो हजार पचीस के लिए इस महीने की पंद्रह तारीख तक नामांकन जमा किया जा सकता है। ये पुरस्कार हर साल जनवरी में महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा दिये जाते हैं। इस साल छब्बीस दिसंबर को वीर बाल दिवस पर इनकी घोषणा की जाएगी।

****